(1)

पाठ - 4 दिन: शुक्रवार

चाँद से थोड़ी-सी गप्पें दिनांक: २९ मई, 202

शब्दार्थ :-

1.	आकाश	आसमान
2.	सिम्त	दिशा
3.	बिलकुल	पूरी तरह से
4.	मरज	बीमारी
5.	गोकि	हालाँकि

प्र०/उ० :-

प्र० 1. 'आप पहने हुए हैं कुल आकाश' के माध्यम से लड़की कहना चाहती है कि -

उ० - लड़की कहना चाहती है कि - चाँद तारों से जड़ी हुई चादर ओढ़कर बैठा है।

प्र० 2. हमको बुद्धू ही निरा समझा है कहकर लड़की क्या कहना चाहती है ?

उ०- हमको बुद्धू ही निरा समझा है कहकर लड़की कहना चाहती है कि हम बुद्धू नहीं है जो आपकी बीमारी ना समझ सकें।

आशय बताओ :-

प्र० 1. 'यह मरज आपका अच्छा ही नहीं होने में आता है।'

उ०- कवि के अनुसार चाँद को कोई बीमारी है जिसके कारण वे घटते हैं तो घटते ही चले जाते हैं और बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं यह बीमारी ठीक होने का नाम नहीं ले रही है।

प्र० 2. गोल मटोल खूब है मगर आप तिरछे नजर आते है ज़रा।

उ० - अष्टमी से पूर्णिमा के बीच के समय का उपर्युक्त पंक्तियों में उल्लेख किया गया है जिससे पता चलता है कि चाँद गोल तो

है, पर पूरी तरह से नहीं, यहाँ पर पूर्णिमा से पहले के समय का वर्णन किया गया है।

भाषा की बात :-

प्र० 1. नीचे दिए गए विशेषणों को ध्यान से देखो और बताओ कि -

(क) कौन - सा प्रत्यय जुड़ने पर विशेषण बन रहे हैं।

उ०- 'ई' प्रत्यय जुड़ने पर विशेषण बन रहे हैं।
जैसे : गुलाबी — ई
मखमली — ई
कीमती — ई

(ख) इन विशेषणों के लिए एक - एक उपयुक्त संज्ञा शब्द लिखो :-

उ०- गुलाबी — साड़ी
कीमती — कार
जंगली — जानवर

(4)

मखमली — कुर्ता
ठंडी — हवा
कश्मीरी — शॉल

प्र० 2. चार - चार शब्द युग्म सोचकर लिखो और उनका वाक्यों में प्रयोग करो :-

1. भला - बुरा : वह अपनी जिद पर अड़ा रहा इसलिए मैंने उसे भला - बुरा कहा।

2. आज - कल : आज - कल बारिश का मौसम है।

3. पतला - दुबला : रवी पतला - दुबला लड़का है।

4. दिन - रात : मैं परीक्षा की तैयारी के लिए दिन - रात मेहनत कर रही / रहा हूँ।

प्र० 3. ऐसे तीन शब्द सोचकर, उनसे ऐसे वाक्य बनाओ जिनके दो - दो अर्थ निकलते हो।

1. पत्र : पत्ता, चिट्ठी
→ पेड़ से पत्र (पत्ते) गिरते हैं।
→ डाकिया पत्र (चिट्ठी) लाया।

2. आम : फल , साधारण
→ आम फलों का राजा है।
→ राम आम (साधारण) आदमी है।

3. उत्तर : जवाब , दिशा
→ राम ने प्रश्न का सही उत्तर (जवाब) दिया।
→ वह उत्तर दिशा की ओर गया।